पुस्तकालय प्रबन्धन

नीता भटनागर, ऐसो० प्रो० (पुस्तकालय)
जैन कन्या पा० स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मुजफ्फरनगर

प्रबंध की परिभाषाएँ

प्रबंध से आशय पूर्वानुमान लगाना एवं योजना बनाना,आदेश देना, समन्वय करना तथा नियंत्रण करना है। -- **हेनरी फेयोल**
("to manage is to forecast and to plan, to organise, to command, to co-ordinate and to control.")

प्रबंध परिवर्तनशील पर्यावरण में सीमित संसाधनों का कुशलतापूर्वक उपयोग करते हुए संगठन के उद्देश्यों को, प्रभावी ढंग से प्राप्त करने, के लिए दूसरों से मिलकर एवं उनके माध्यम से कार्य करने की प्रक्रिया है। -- **क्रीटनर**

प्रबंध यह ज्ञात करने की कला है कि आप क्या करना चाहते है तत्पश्चात यह देखना की सर्वश्रेष्ठ एवं मितव्ययिता पूर्ण ढंग से कैसे किया जाता है। -- **एफ.डब्ल्यू.टेलर**

अवधारणा

(क) प्रक्रिया
(ख) प्रभावी ढंग से एवं
(ग) पूर्ण क्षमता से।

प्रभावपूर्णता बनाम कुशलता

प्रबंध की विशेषताएँ

(क) प्रबंध एक उद्देश्यपूर्ण प्रक्रिया है-
(ख) प्रबंध सर्वव्यापी है-
(ग) प्रबंध बहुआयामी है-
(घ) प्रबंध एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है-
(ङ) प्रबंध एक सामूहिक क्रिया है-
(च) प्रबंध एक गतिशील कार्य है-
(छ) प्रबंध एक अमूर्त शक्ति है-

प्रबंध के उद्देश्य

1- संगठनात्मक उद्देश्य
   (i) जीवित रहना
   (ii) लाभ
   (iii) बढ़ोतरी
2 - सामाजिक उद्देश्य
3 - व्यक्तिगत उद्देश्य

प्रबन्ध का महत्त्व

(क) प्रबन्ध सामूहिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होता है
(ख) प्रबन्ध क्षमता में वृद्धि करता है-
(ग) प्रबन्ध गतिशील संगठन का निर्माण करता है
(घ) प्रबन्ध व्यक्तिगत उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक होता है-
(ङ) संगठन बहुउद्देश्यीय होता है जो इसके विभिन्न घटकों के उद्देश्यों को पूरा करता है।

प्रबंध बहुआयामी है

प्रबंध एक जटिल क्रिया है जिसके तीन प्रमुख परिमाण हैं, जो इस प्रकार हैं-
(अ) कार्य का प्रबंध-
(आ) लोगों का प्रबंध-
(इ) परिचालन का प्रबंध-